मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–011

स्नातकोत्तर उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एस.के.-011 : बौद्ध और जैन दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। सभी उत्तर केवल संस्कृत या हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी में दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक दीजिए।* *15×4=60*

1. बौद्ध धर्म के प्रमुख ऐतिहासिक संदर्भ और सामाजिक विकास में उनके योगदान का वर्णन कीजिए।

2. गौतम बुद्ध के जीवन, उनके तप और धर्मोपदेश का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

3. बौद्ध साहित्य में त्रिपिटक के महत्व और परवर्ती साहित्य पर उसके प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

4. बुद्धकालीन समाज की धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना का विवेचन कीजिए।

5. बौद्ध धर्म के तीर्थ क्षेत्रों का ऐतिहासिक एवं धार्मिक दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए।

6. बौद्ध धर्म और जैन धर्म के, विश्व-साहित्य, दर्शन और कला पर प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. जैन दर्शन और बौद्ध दर्शन के सिद्धान्तों का तुलनात्मक विवरण कीजिए।

2. भगवान महावीर कालीन समाज, संस्कृति और शिक्षा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

3. बौद्ध दर्शन की शिक्षाओं, दया, करुणा और मैत्री का समाज पर प्रभाव स्पष्ट कीजिए।

4. बौद्ध धर्म के सम्प्रदायों की उत्पत्ति, उद्देश्य और सिद्धान्तों का तुलनात्मक विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

5. जैन आगम साहित्य और जैन धर्म के प्रमुख तात्विक संदेशों का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

6. महात्मा बुद्ध द्वारा प्रतिपादित चार आर्य सत्यों का महत्व और भारतीय समाज पर उसके प्रभावों का विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

× × × × ×